भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1986

02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

गणतंत्र दिवस परेड में सांस्कृतिक झांकी

1986. श्री गुरमीत सिंह मीतः

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सभी राज्यों को अपनी अनूठी सांस्कृतिक झांकी प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया जाता है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या विविधता में एकता, जो हमारे देश की पहचान है, का उत्सव मनाने के लिए भविष्य की गणतंत्र दिवस परेड में सभी राज्यों की संस्कृतियों का और अधिक समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संजय सेठ)

(क) और (ख): गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभागिता हेतु झांकियों का चयन करने के लिए एक सुस्थापित प्रणाली है जिसके अनुसार रक्षा मंत्रालय सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों से झांकियों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है। विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त झांकी प्रस्तावों का झांकी चयन हेतु कला, संस्कृति, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, वास्तुकला, नृत्यरचना इत्यादि के क्षेत्र के विख्यात व्यक्तियों की एक विशेषज्ञ समिति की कई बैठकों में मूल्यांकन किया जाता है। विशेषज्ञ समिति अपनी सिफारिशें करने से पूर्व विषय, अवधारणा, रूपरेखा (डिजाइन) और इसके दृश्य प्रभाव के आधार पर प्रस्तावों की जांच करती है। झांकियां गणतंत्र दिवस परेड का एक घटक होती हैं। परेड की

समग्र अवधि में झांकियों के लिए आवंटित समय के कारण झांकियों के चयन का कार्य उक्त विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाता है।

इस प्रकार, गणतंत्र दिवस परेड के दौरान सभी राज्यों को अपनी सांस्कृतिक झांकियां प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाता है।

(ग) और (घ): तीन वर्ष की अवधि में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को गणतंत्र दिवस परेड में अपनी झांकियां प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के लिए आरडीपी-2024, 2025 एवं 2026 के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनी झांकियां प्रस्तुत करने हेतु सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से परामर्श करके उनके नाम दर्शाते हुए एक तीन वर्षीय कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है और उस कार्यक्रम को सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित किया गया है। देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अंतर राज्यीय परिषद(आईएससी) अंचल स्कीम के आधार पर छह अंचलों में विभाजित किया गया है। चूँकि गणतंत्र दिवस परेड में प्रदर्शित की जाने वाली राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की झांकियों की संख्या सीमित होती है, इसलिए प्रत्येक अंचल के लिए झांकी चयन आंचलिक कोटा निर्धारित किया गया है। इससे प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में प्रत्येक अंचल का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है और प्रत्येक अंचल के अंदर, प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को तीन वर्ष की अवधि में अपनी झांकी प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। तथापि, झांकियों का चयन और निर्माण 'झांकी चयन विशेषज्ञ समिति' की जांच, सलाह और सुझाव इत्यादि के अध्यधीन होता है।

यदि किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की उस वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि होती है तो तीन वर्षीय कार्यक्रम के निरपेक्ष गणतंत्र दिवस परेड में विचार हेतु उसका प्रस्ताव किया जा सकता है। इसके अलावा, लाल किले पर आयोजित भारत पर्व में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की झांकियों को आमंत्रित किया जाता है चाहे उनका चयन गणतंत्र दिवस परेड के लिए किया गया हो या नहीं।

*****